RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शनिवार 23 सितंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 150 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

सुप्रीम कोर्ट के टिप्पणी पर महाराष्ट्र स्पीकर बोले-
फैसला लेने में देर नहीं करूंगा और जल्दबाजी भी नहीं करूंगा

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि मैं शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने में देर नहीं करूंगा, लेकिन इस मामले में जल्दबाजी भी नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी करना मिसकैरेज ऑफ जस्टिस हो सकता है। मैं जो भी फैसला लूंगा, संवैधानिक होगा। विधानसभा स्पीकर ने मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के 3 दिन बाद यानी 21 सितंबर को पत्रकारों से बात करते हुए यह बातें कही थी।

इस मामले पर फैसला लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता

सुप्रीम कोर्ट ने 18 सितंबर को शिवसेना शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई की थी। शीर्ष न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष से कहा कि आप इस मामले पर फैसला लंबे समय तक टाल नहीं सकते। आपको इसकी समय सीमा तय करनी होगी। उखकडीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने दोनों मामले पर सुनवाई की।

जानबूझकर टाल रहे मामला

सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट के 16 बागी विधायकों की अयोग्यता पर 11 मई को फैसला सुनाया था। इसमें कोर्ट ने बागी विधायकों की सदस्यता पर फैसला स्पीकर पर छोड़ दिया था। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के नेता सुनील प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मामले पर फिर से विचार करने की अपील की थी। उन्होंने याचिका में तर्क दिया था- विधानसभा अध्यक्ष मामले को जानबूझकर टाल रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने की थी बगावतपिछले साल जून 2022 में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने पार्टी से बगावत की थी। इसके बाद शिंदे ने बीजेपी के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद शिंदे ने शिवसेना पर अपना दावा कर दिया।

मुंबई के शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग... 14 लोगों को बचाया गया

मुंबई : मुंबई के उपनगरीय ओशिवारा में हीरा पन्ना मॉल में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। बीएमसी के एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है, हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मुंबई के उपनगरीय ओशिवारा में हीरा पन्ना मॉल में शुक्रवार दोपहर भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। बीएमसी के एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है, हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

अनिल परब ने राहुल नार्वेकर पर की टिप्पणी
विधायकों की अयोग्यता मामले पर गरमाई राजनीति

मुंबई: महिला आरक्षण के मुद्दे पर देश की राजनीति गरमाई हुई है लेकिन दोनों सदनों में महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने के बाद राजनीतिक माहौल कुछ शांत हुआ है। इसी बीच अब महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शिंदे समेत 16 विधायकों की योग्यता पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार लगाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर का बयान सामने आया था कि वह जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहते हैं। अनिल परब ने राहुल नार्वेकर पर टिप्पणी की है।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में जवाब मांगा है और साथ ही सुनवाई के लिए समय सीमा तय करने का आदेश दिया है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि इस मामले को अधिक समय तक लटकाया नहीं जा सकता। आपको बता दे कि इस मामले में उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने यह आरोप लगाया था कि मामले में जानबूझकर देरी की जा रही है और एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी। वहीं दूसरी तरफ अब उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल परब ने शिंदे की शिवसेना पर निशाना साधा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि इस मामले में विधानसभा के 16 विधायक अयोग्य साबित होंगे। लेकिन उच्च सदन के भी तीन सदस्य अयोग्य घोषित किए जाएंगे। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा सुप्रीम कोर्ट की आक्रामक टिप्पणी राज्य में इस विषय को लेकर हलचल तेज हो गई।

सुप्रीम कोर्ट जब टिप्पणी करता है तो सुनवाई में तेजी दिखती है सुप्रीम कोर्ट ने अपना रुख साफ कर दिया है कि वह इस मामले में एक सप्ताह के भीतर समय सीमा चाहता है। अनिल परब ने यह भी कहा कि विधानसभा की तरह ही विधान परिषद में भी सत्ता पक्ष की गड़बड़ियां देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि सभापति और उपसभापति ही अयोग्यता की सुनवाई करते हैं। लेकिन उपसभापति के खिलाफ योग्यता की याचिका लगी हुई है तो उनकी सुनवाई कौन करेगा। सरकार ने इस संबंध में एक वरिष्ठ सदस्य की नियुक्ति करने का आश्वासन दिया था। लेकिन सरकार ने उसपर कुछ भी नहीं किया है। ऐसे में हमारे सामने अदालत जाने का ही एकमात्र रास्ता बचा है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अनिल परब ने राहुल नार्वेकर पर गंभीर आरोप लगाया है।

शिक्षा में मुस्लिम कोटे पर सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम फड़णवीस से करेंगे बात, बोले अजीत पवार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शुक्रवार को कहा कि वह मुस्लिम समुदाय के लिए शैक्षिक प्रवेश में पांच प्रतिशत कोटे पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ चर्चा करेंगे। तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने 2014 में शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में मुसलमानों को पांच प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया था, जब मराठा समुदाय के लिए नौकरियों और शिक्षा में कोटा पेश किया गया था। लेकिन बाद की भाजपा-शिवसेना सरकार ने मराठों को आरक्षण प्रदान करने के लिए एक कानून लाकर मुस्लिम कोटा हटा दिया।

फैसला लेने से पहले मैं शिंदे और फड़णवीस से चर्चा करूंगा

उन्होंने कहा कि फैसला लेने से पहले मैं शिंदे और फड़णवीस के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा। वित्त विभाग भी संभालने वाले पवार ने आश्वासन दिया कि बाबासाहेब अम्बेडकर अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (इअफ्ळक), छत्रपति शाहू महाराज अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (रअफ्ळलक) जैसे संस्थानों के माध्यम से कार्यान्वित योजनाओं में एकरूपता लाने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली एक समिति की सिफारिशें की जाएंगी और महात्मा ज्योतिबा फुले अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (महाज्योति) मौलाना आजाद आर्थिक विकास निगम पर भी लागू होगा। पवार ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए स्थापित आजाद निगम को भी अधिक धन मिलेगा और उसे यह जांचना चाहिए कि क्या उसकी ऋण योजनाओं को केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में घोषित पीएम विश्वकर्मा योजना से जोड़ा जा सकता है।

नहीं करना पड़ा कानूनी बाधा का सामना

राज्य मुख्यालय मंत्रालय में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की एक बैठक में बोलते हुए, पवार ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए पांच प्रतिशत शैक्षणिक कोटा (मराठा आरक्षण के विपरीत) किसी भी कानूनी बाधा का सामना नहीं करना पड़ा है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

श्रेय लूटने की लड़ाई

नए संसद भवन में कामकाज की इससे बेहतर शुरूआत और क्या हो सकती थी कि दोनों सदनों ने भारी बहुमत से उस ऐतिहासिक महिला आरक्षण बिल को पारित कर दिया, जो पिछले 27 वर्षों से अटका पड़ा था। हालांकि भारतीय लोकतंत्र की खासियत कहिए कि आजादी के तीन दशक भी नहीं हुए थे जब देश को पहली महिला प्रधानमंत्री मिल गई थीं। अमेरिका को भले ही पहली महिला राष्ट्रपति अब तक न मिली हो, भारत इस मामले में भी रेकॉर्ड बना चुका है। चुनावी राजनीति में भागीदारी का जहां तक सवाल है तो बतौर नागरिक और वोटर देश की आम महिलाओं ने उस मोर्चे पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। 2019 लोकसभा चुनावों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा दर्ज की गई। मगर जहां तक चुनाव लड़कर लोकसभा और विधानसभाओं में पहुंचने का मामला है, तो वहां महिलाओं का प्रतिशत चिंताजनक रूप से कम रहा है। आज जब लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर है, तब भी यह कुल सदस्य संख्या के 15 फीसदी से कम ही है। अच्छी बात यह रही कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने इस स्थिति से उपजी चुनौतियों को महसूस करते हुए इस दिशा में प्रयास काफी पहले से शुरू कर दिए थे।

अस्सी के दशक में जब राजीव गांधी सरकार पंचायती चुनावों में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण का विधेयक लेकर आई तो इसके पीछे भी सोच यही थी कि स्थानीय स्तर पर तैयार महिला नेतृत्व आगे चलकर विधानसभाओं और लोकसभा चुनावों में समर्थ महिला प्रत्याशियों की कमी दूर करेगा। फिर नब्बे के दशक के मध्य में बाकायदा लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण वाला बिल पेश कर दिया गया। उसके बाद बार-बार के प्रयास भी अगर इस विधेयक को कानून में तब्दील करने के लिहाज से नाकाफी साबित हुए तो उसके पीछे तमाम दलों के अंदर पुरुष सोच के वर्चस्व की भूमिका थी। बहरहाल, नए संसद भवन में जिस तरह से पक्ष-विपक्ष के तमाम दल इस बिल के पक्ष में खड़े दिखे, वह पिछले तीन दशकों में समाज में आए बदलावों और राजनीतिक दलों के अंदर आए उन बदलावों के एहसास का परिचायक है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि पक्ष-विपक्ष इस मसले पर आगामी चुनावों में भिड़े नजर नहीं आएंगे। संसद में बहस के दौरान ही बड़ी बारीकी से तमाम दलों ने अपने अलग-अलग तर्कों की रेखाएं खींच दी हैं। जहां बीजेपी यह ऐतिहासिक बिल पारित कराने का श्रेय लेते हुए चुनाव मैदान में उतरने की सोच रही है, वहीं विपक्षी दलों का ध्यान इस पर अमल 2029 तक टालने वाले प्रावधानों पर है। कांग्रेस ने ओबीसी महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग तो की ही है, जाति जनगणना का सवाल भी इससे जोड़ दिया है। जाहिर है, तमाम दलों ने मिलकर भले ही यह बिल पास कर दिया हो, लेकिन इस पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश आगामी चुनावों में खूब दिखेगी।

व्हाट्सएप पर दैनिक रोकठोक लेखनी समाचार पत्र चैनल को फॉलो करें
+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

सड़क के गड्ढे का गंदा पानी शरीर पर गिरने से दो गुटों में जबरदस्त मारपीट

12 लोगों के खिलाफ मामल दर्ज 4 गिरफ्तार...

मुस्तकीम खान

भिवंडी : गणेशोत्सव के दौरान बप्पा के आगमन पर जहां सड़क के गड्ढों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं ये गड्ढे अब शहर में विवाद का कारण भी बन रहें हैं। इसी तरह शहर में दोपहिया वाहन पर सवार जा रहे दो दोस्त पर सड़क के गड्ढे में जमा गंदा पानी ऊपर उड़ने से शुरू होने वाला विवाद दो गुटों में जबरदस्त मारपीट का कारण बन गया , जिसके बाद शहर पुलीस ने कुल 12 लोगों के खिलाफ मामल दर्ज कर 4 आरोपीयों को गिरफ्तार किया है जिनकी पहचान पुलीस ने आरिफ याकूब शेख (22), नुमान मोहम्मद अयूब शेख (25), नरून ऐन अमान अल्ला सैयद (37), फरहान मोहम्मद अयूब शेख (22) के तौर पर की है, जबकि घटना के बाद

याकूब का साला अयूब का भाई और इरफान समेत आरोपी के अन्य 5 साथी मौके से फरार हो गए ।

पुलिस के मुताबिक बुधवार 20 सितंबर की रात करीब 9 बजे धामनकर नाका क्षेत्र के कनेरी में बारिश का पानी सड़क पर जमा था और सड़क कीचड़मय हो गई थी । इसी दौरान प्रशांत आनंद पुजारी और उसका दोस्त नरेंद्र कनेरी रोड पर दोपहिया वाहन से जा रहे थे उसी समय उनकी बाइक का पहिया शंकर मंदिर के पास सड़क के गड्ढे में जमा गंदे पानी में जाने से कीचड़ उड़कर आरोपी नुमान के शरीर पर चला गया और नुमान के साथ मौजूद आरिफ और प्रशांत, नरेंद्र के बीच कहा-सुनी के बाद विवाद शुरू हो गया। इसी बीच नुमान और उसके भाई ने आरिफ के साले को मौके पर बुला लिया जिसके बाद यह बहस जबरदस्त मारपीट में बदल गई । आरोपियों ने प्रशांत और नरेंद्र को लकड़ी के डंडे से बुरी तरह पीटा जिस कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया । घायलों का इलाज इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में किया जा रहा है । शहर पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 326, 324, 323 समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर चार लोगों को गुरुवार 21 सितंबर को ही गिरफ्तार कर लिया जबकि अन्य आरोपी भागने में सफल हो गए जिनकी तलाश पुलीस द्वारा की जा रही हैं । इस घटना के कारण शहर में गड्ढों को लेकर बड़े विवाद का मामला सामने आया है और यह बात स्पष्ट हो गई की सड़क के गड्ढे विवादास्पद होते जा रहे हैं। ऐसे और कितने विवाद होंगे मनपा प्रशासन क्या समाधान करेगी ? ऐसा सवाल नागरिकों द्वारा उठाया जा रहा है । इसके साथ ही अगर जल्द ही सड़क के गड्ढे नहीं भरे गए तो वाहन दुर्घटना और छोटे-मोटे विवाद को जनहानि में बदलने ज्यादा समय नहीं लगेगा।

एस एम एस कंपनी के शिफ्टिंग स्थल बोरीवली का समाजसेवी संस्थान संचालकों ने किया दौरा...

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) गोवंडी से बोरीवली के पताल गंगा में शिफ्ट होने वाली मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उत्तर मुंबई बोरीवली के पताल गंगा में शिफ्ट होने वाली एस एम एस कंपनी के शिफ्टिंग स्थल का दौरा किया है । तथा शिफ्टिंग स्थल से राज्य सरकार से मांग किया है जल्द से जल्द 18 महीनों की शिफ्टिंग प्रक्रिया की अवधि को कम करके जल्द ही प्रक्रिया पूरी करने की मांग एस एम एस संघर्ष समिति के अधक्ष्य विजय थोराट ने दिया है । विजय थोराट ने राज्य सरकार सहित पर्यावरण मंत्रालय से गोवंडी की जनता के स्वस्थ को ध्यान में रखते हुए शिफ्टिंग प्रक्रिया आठ महीने के भीतर करने की मांग किया है । उल्लेखनीय तौर पर प्रसार माध्यमों से बातचीत करते हुए विजय थोराट ने कहा की पताल गंगा परिसर आबादी से बहुत दूर हैं ।इसलिए संबंधित मंत्रालय को इस पर शिफ्टिंग की प्रक्रिया पूरी करने में अधिक देरी नहीं करनी चाहिए ।जिससे गोवंडी की आठ लाख की आबादी वाली जनसंख्या शुद्ध हवा ऑक्सीजन में सांस ले सके ।

मुंबई/ जेली फिश ने बढ़ा दी मनपा की भी चिंता...

मुंबई : मंगलवार से गणेशोत्सव शुरू हो गया है। लोग बड़े धूमधाम से गणेशोत्सव मना रहे हैं। इस बीच गणपति बाप्पा की विदाई भी शुरू हो गई है। उनके भक्त बढ़-चढ़कर उनकी विदाई में शामिल हो रहे हैं। बाप्पा के मूर्ति के विसर्जन के लिए कृत्रिम

तालाबों के अलावा समुद्र में भी भक्त जा रहे हैं, लेकिन यहां समुद्र में गणपति मूर्तियों के विसर्जन के दौरान जेली फिश का डंक भक्तों को सता रहा है।

बीएनएन कालेज में परीक्षा के दौरान प्रिंसिपल सहित शिक्षकों को धमकाने के आरोप में आरपीआई उपाध्यक्ष पर केस दर्ज

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी बीएनएन कॉलेज में छात्र को नकल करते हुए पकड़ने पर भिवंडी आरपीआई के उपाध्यक्ष द्वारा प्रिंसिपल समेत वाइस प्रिंसिपल और शिक्षकों के साथ गाली-गलौज करने और वाइस प्रिंसिपल को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। शिक्षक की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में आरपीआई उपाध्यक्ष दादू गायकवाड़ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है ।लेकिन पुलिस ने अभी उसे गिरफ्तार नही किया है ।इस दादागिरी की घटना उजागर होने से छात्रों व शिक्षकों में भय व्याप्त है। पुलिस के मुताबिक भिवंडी के मशहूर बीएनएन कॉलेज में चौथी मंजिला पर कला विभाग के तीसरे वर्ष के भूगोल विषय की परीक्षा चल रही थी। जहां पर प्रतीक्षा प्रेमनाथ मितकर नामक शिक्षिका पर्यवेक्षक के रूप में काम कर रही थीं ।इसी दौरान टीचर ने एक छात्र को नकल करते हुए पकड़ लिया और छात्र की शिकायत प्रिंसिपल करने को कहा ।लेकिन इसके बाद छात्र क्लास रूम से बाहर चला गया और थोड़ी देर बाद दादू गायकवाड़ को अपने साथ लेकर आया । इस दौरान दादू ने नकल की कॉपी पकड़ने के कारण पर्यवेक्षक व एक अन्य शिक्षक पर चिल्लाया और पेपर न नहीं लिखने देने के कारण उनके साथ दुर्व्यवहार किया ।इतना ही नही दादू गायकवाड ने इसके अलावा, पर्यवेक्षक रूपेश पाटिल, रसिका घरत, विद्या कांबले, अनिल लोहार और प्रिंसिपल अशोक वाघ को धमकी दिया ।साथ ही वाइस प्रिंसिपल रावल को उनके घर चरणी पाड़ा में घर पर जाकर जान से मारने की धमकी दी ।इस मामले में शिक्षिका प्रतीक्षा मिटकर की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने आरपीआई के उपाध्यक्ष दादू गायकवाड़ पर आईपीसी की धारा 448, 504, 506 के तहत केस दर्ज कराया है। आगे की जांच पीएसआई वैशाली सर्वदे द्वारा की जा रही है।

महाराष्ट्र में इस वर्ष आत्महत्या करने वाले 40 फीसदी किसान अमरावती डिवीजन से

एक चौंकाने वाले खुलासे में महाराष्ट्र के विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने गुरुवार को कहा कि इस साल 1 जनवरी से 31 जुलाई के बीच दर्ज किए गए 1,555 किसानों की आत्महत्याओं में से सबसे ज्यादा 637 (लगभग 40 प्रतिशत) अकेले अमरावती डिवीजन से रिपोर्ट की गईं। अमरावती डिवीजन में अमरावती जिले में 183, बुलढाणा जिले में 173, यवतमाल में 149, अकोला में 94 और वाशिम जिले में 38 किसानों ने आत्महत्या की है। इसके बाद औरंगाबाद डिवीजन (584 मामले) है, जहां बीड जिले में 155, उस्मानाबाद में 102, नांदेड़ में 99, छत्रपति संभाजीनगर में 86, परभणी में 51, जालना में 36, लातूर में 35 और हिंगोली जिले में 20 किसानों ने खुदकुशी की।

नासिक डिवीजन में जिन 174 किसानों ने अपनी जान दी, उनमें से जलगाँव जिले के 93, अहमदनगर के 43, धुले के 28, नासिक के सात और नंदुरबार जिले के तीन किसान शामिल हैं। नागपुर डिवीजन में 144 किसानों ने आत्महत्या की। इनमें चंद्रपुर से 73, वर्धा से 50, नागपुर से 13, भंडारा से पांच और गोनिया से तीन घटनाओं की सूचना है। सोलापुर जिले में 13, सतारा में दो और सांगली जिले में एक मौतों के साथ पुणे डिविजन में कुल 16 किसानों की आत्महत्या की पुष्टि हुई है। तटीय कोंकण डिवीजन के जिले, जहां आमतौर पर पर्याप्त वर्षा होती है, अब तक आत्महत्याओं से अछूते रहे हैं।

वडेट्टीवार ने सवाल किया, ''आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश कृषि आत्महत्याएँ जून (233), जुलाई (229) के शुरूआती मानसून महीनों के दौरान दर्ज की गई हैं। इसके बाद जनवरी और मार्च (226-226), अप्रैल (225), मई (224) और फरवरी (192) का स्थान आता है। राज्य में किसान हर दिन मर रहे हैं... राज्य सरकार कब सूखा घोषित करेगी।'' विपक्ष के नेता का यह खुलासा शिवसेना (यूबीटी) नेता किशोर तिवारी द्वारा पिछले 72 घंटों में यवतमाल (छह) और वर्धा (एक) में सात किसानों की आत्महत्याओं पर प्रकाश डालने के एक दिन बाद आया, जिससे किसान समुदाय को झटका लगा क्योंकि राज्य के 10 से अधिक जिलों में बारिश लगातार जारी है।

वडेट्टीवार ने कहा, ''सवाल यह है कि क्या सरकार को यह भी पता है कि राज्य में सूखे की स्थिति कितनी गंभीर है? राज्य में पिछले ढाई महीनों में बहुत कम बारिश हुई है, और अगर यही स्थिति रही, तो एक बड़ा संकट पैदा हो जाएगा। इससे राज्य में सूखा पड़ सकता है।'' तिवारी ने आग्रह किया कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में मानसून की बेरुखी के कारण महाराष्ट्र सहित देश के बड़े हिस्से में व्याप्त कृषि संकट को लेकर गंभीर है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद के चल रहे विशेष सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए।

आनंद महिंद्रा ने कनाडा से तोड़ा कारोबारी रिश्ता !

भारत और कनाडा के बीच चल रहा विवाद बढ़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच वार-पलटवार जारी है। इस बीच महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने गुरुवार (21 सितंबर) को कनाडा को बड़ा झटका दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के चेयरपर्सन आनंद महिंद्रा ने कनाडाई कंपनी के सभी व्यापार बंद कर दिए हैं। इसकी जानकारी खुद कंपनी दी। जिसके बाद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में 3 फीसदी की गिरावट आई है। आनंद महिंद्रा के इस फैसले पर सोशल मीडिया पर खूब प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। आनंद महिंद्रा के इस कदम को लोगों ने सोशल मीडिया पर सराहना की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अनुसार, कनाडा की रेजॉन एयरोस्पेस कंपनी परिचालन बंद कर दिया गया है। इस कंपनी में महिंद्रा की कुल हिस्से 11.8 फीसदी है। कंपनी ने खुद अपना परिचालन बंद करने के लिए आवेदन किया था। इससे कनाडा में हड़कंप मच गया है।

क्या कहा महिंद्रा ने ?

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शेयर बाजार को घटनाक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि कनाडा में कंपनी का परिचालन 20 सितंबर, 2023 से बंद कर दिया गया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि कंपनी को बंद करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गए हैं। जिसके बाद ही रेजॉन कंपनी का परिचालन बंद करने का निर्णय लिया गया। अब इस कंपनी का कनाडा में कोई मौजूदा कारोबार नहीं है।

शेयर तीन फीसदी गिरे

यह खबर फैलते ही महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। बाजार बंद होने से 10 मिनट पहले कंपनी के शेयर 3 फीसदी गिर शेयर 1584 रुपये पर कारोबार कर रहा था। जो 1575.75 रुपये के निचले स्तर पर रुका। एक दिन पहले महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 1634.05 पर बंद हुए थे।

पालघर जिले में 19.5 लाख रुपये मूल्य के गुटखा... प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त, एक गिरफ्तार

पालघरः एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने एक टेम्पो से लगभग 19.5 लाख रुपये मूल्य का गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किया है और उसके चालक को गिरफ्तार किया है। पालघर जिले के पीआरओ एपीआई योगेश जाधव ने कहा कि पुलिस ने बुधवार को मोदगांव-हलादपाड़ा की सीमा के भीतर गश्त के दौरान एक टेम्पो से प्रतिबंधित उत्पाद बरामद किए। टेंपो चालक की पहचान सुशील साहनी (35) के रूप में हुई। इस मामले में कासा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि साहनी को प्रतिबंधित उत्पाद कहां से मिले और वह किसे स्टॉक पहुंचाना चाहता था।

ऋषि पंचमी पर महिलाओं का शय्या स्नान एवं शिवपत्तक व्रत

नासिकः 'ओम नमः शिवाय, हर हर गंगे' का जाप करते हुए, हजारों तीर्थयात्रियों ने बुधवार (20 तारीख) को भाद्रपद शुद्ध पंचमी या ऋषि पंचमी पर रामकुंड की तीर्थयात्रा की। यह तीर्थ महिलाओं के लिए शिवपातक व्रत के रूप में महत्वपूर्ण है। ऋषि कश्यप, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि, वशिष्ठ, अत्रि और वशिष्ठ की पत्नी अरुंधति की पूजा उनके कार्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए ही की जाती है। पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश और बांध से छोड़े गए पानी के कारण गोदावरी पानी से लबालब है. अतः कुंडों के साफ-सुथरा होने पर श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने संतोष व्यक्त किया।

महाराष्ट्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण योजना के कार्यान्वयन के संबंध में आदेश जारी करने के 24 घंटे के भीतर इसे रोक दिया

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र सरकार ने महिला सशक्तिकरण योजना के कार्यान्वयन के संबंध में आदेश जारी करने के 24 घंटे के भीतर इसे रोक दिया है। राज्य में ''मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण अभियान'' योजना 2 अक्टूबर 2023 से 1 अक्टूबर 2024 तक लागू की जानी थी। 20 सितंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि कार्यक्रम की निगरानी महिला एवं बाल विकास मंत्री को करनी थी, जो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को मासिक रिपोर्ट सौंपेंगी। विभाग के सचिव को नोडल अधिकारी होना था।

राज्य स्तर पर एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया जाना था, जबकि महिला एवं बाल विकास आयुक्त, पुणे को कार्यक्रम का नेतृत्व करना था। आदेश के अनुसार, यह कार्यक्रम महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए महिलाओं से संबंधित राज्य और केंद्र सरकारों के सभी कार्यक्रमों और नीतियों को लागू करने के लिए एक एकीकृत मंच था। हालाँकि, 21 सितंबर को एक ताजा अधिसूचना में कहा गया कि पिछले दिन जारी आदेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एनसीपी की अदिति तटकरे संभालती हैं, जो राज्य मंत्रिमंडल में अकेली महिला हैं, जो 2 जुलाई को पाला बदलकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हो गईं।

विशेष रूप से, कार्यान्वयन पर रोक लगाने की नवीनतम अधिसूचना के बावजूद, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के लिए महिला आरक्षण विधेयक को राज्यसभा द्वारा पारित किए जाने के बाद गुरुवार देर रात पत्रकारों से बात करते हुए इस योजना का उल्लेख किया। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर उनकी सरकार ने महिलाओं को सभी सरकारी कार्यक्रमों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए 'नमो महिला सशक्तिकरण योजना' लागू करने का निर्णय लिया है।

राज्य में बीजेपी विधायकों को वरिष्ठों का आदेश

ठाणेः आगामी लोकसभा चुनाव की रणभेरी बजने लगी है. भारत अघाड़ी से मिल रही कड़ी चुनौती को देखते हुए बीजेपी ने भी इस चुनाव के लिए कमर कस ली है. मालूम हो कि बीजेपी के सभी विधायकों को वरिष्ठों ने लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आदेश दिया है. गौरतलब है कि राज्य का कैबिनेट विस्तार अभी भी रुका हुआ है. हालांकि, खबर है कि बीजेपी विधायकों को वरिष्ठों ने कहा है कि अब वे मंत्री पद की उम्मीद किए बगैर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं.

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के वरिष्ठ विधायकों ने साफ निर्देश दिया है कि बीजेपी लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतना चाहती है. इसलिए अब कैबिनेट विस्तार से ज्यादा महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव है. बीजेपी ने लोकसभा के लिए मिशन 45 प्लस का लक्ष्य रखा है. मिली जानकारी के मुताबिक बीजेपी ने लोकसभा के 45 प्लस के लक्ष्य को पूरा करने के लिए राज्य के सभी विधायकों को खास जिम्मेदारी दी है. सभी विधायकों को लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केवल और केवल गणपति के नाम पर निर्वाचन क्षेत्र बनाने का आदेश दिया गया है। महाराष्ट्र में अधिक लोकसभा सीटें जीतने के इस मिशन के लिए बीजेपी ने 12 प्रमुख नेताओं का चयन किया है. प्रत्येक नेता को दो लोकसभा क्षेत्र आवंटित किए गए हैं। इनमें आशीष शेलार, रावसाहेब दानवे, सुधीर मुनगंटीवार, विनोद तावड़े या बड़े नेता शामिल हैं.

बीएमसी ने शहर भर में कई पुलों को खतरनाक स्थिति में चिह्नित किया...

गणेश भक्तों से उन पर नृत्य न करने की अपील की

मुंबई : क्या मुंबई बड़े पैमाने पर तबाही का सामना कर रही है? शहर में कम से कम 13 पुल नाजुक स्थिति में हैं, यहां तक कि बीएमसी और ट्रैफिक पुलिस ने गणेश भक्तों से उन पर नृत्य न करने की अपील की है। अधिकारियों ने अपील में कहा है कि ये पुल पुराने हो चुके हैं और खतरनाक स्थिति में हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता ने चिंता जताई एक कार्यकर्ता डॉ. अविशा कुलकर्णी ने पूछा, ''यदि ये पुल नृत्य का सामना भी नहीं कर सकते तो उन पर वाहनों के आवागमन की अनुमति कैसे दी जाती है? अधिकारियों को नागरिकों को स्पष्टीकरण देना होगा।'' इस मामले में संबंधित पुलों में घाटकोपर रेल पुल, करी रोड रेल पुल, ओपेरा हाउस में फ्रेंच ब्रिज, कैनेडी ब्रिज और महालक्ष्मी रेल ब्रिज शामिल हैं। इन खतरनाक पुलों से होकर लाखों श्रद्धालु यात्रा करते हैं। बीएमसी की घोषणा गणेशोत्सव उत्सव के बीच आई है जब लाखों लोग अपने प्यारे बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए इन पुलों से यात्रा करते हैं। अनंत चतुर्थी में कुछ ही दिन बचे हैं, इस घोषणा ने मुंबईकरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है जो लालबाग और चौपाटी इलाके में इन पुलों से बड़ी संख्या में यात्रा करके बप्पा को विदाई देंगे।

मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा मंडल को गणेश चतुर्थी उत्सव के दो दिनों में एक करोड़ रुपये से अधिक का दान मिला

मुंबई : मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा मंडल को गणेश चतुर्थी उत्सव के दो दिनों में एक करोड़ रुपये से अधिक का दान मिला। उत्सव के दूसरे दिन लालबागचा राजा मंडल को साठ लाख से अधिक का दान मिला। मंडल के अनुसार, दूसरे दिन इसे 60,62,000 से अधिक प्राप्त हुआ, जिससे उत्सव के दो दिनों में कुल 1,02,62,000 से अधिक हो गया। भगवान गणपति की मूर्ति को दान के रूप में 183.480 ग्राम सोना और 622 ग्राम चांदी का चढ़ावा भी मिला है। पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन नकद में अधिक दान मिला. इससे पहले बुधवार को, मुंबई के लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के सचिव सुधीर साल्वी ने लालबाग समिति की गतिविधियों के प्रति समर्थन के लिए उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी की सराहना की। ''आज लालबागचा राजा का डायलिसिस सेंटर शुरू हो रहा है, इसमें 24 मशीनें हैं जो अनंत अंबानी ने दी थीं और इसके साथ ही हमारे पास हर मरीज की मदद के लिए एक रक्तदान शिविर भी है। अनंत अंबानी से बहुत समर्थन मिला है,'' उन्होंने कहा।

पालघर जिले में ग्राम विकास अधिकारी, चपरासी 5,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पालघर: एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 5,000 रुपये की रिश्वत के मामले में एक ग्राम विकास अधिकारी और एक चपरासी को गिरफ्तार किया है। एसीबी-पालघर के पुलिस उपाधीक्षक दयानंद गावड़े ने कहा कि तलसारी तालुका के ग्राम विकास अधिकारी सुनील पाटिल (53) ने एक पाइपलाइन ठेकेदार से 5,000 रुपये की मांग की थी। अधिकारी ने कहा, जबकि ठेकेदार को पाटिल के अधीन गांव में किए गए काम के लिए भुगतान मिला था, बाद वाले ने यह दावा करते हुए पैसे मांगे कि उसने बिलों को तेजी से संसाधित किया है। ठेकेदार से शिकायत मिलने के बाद, एसीबी ने जाल बिछाया और चपरासी अमित दिलीप दुबला (35) को गुरुवार को पाटिल की ओर से रिश्वत की रकम लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि दोनों के खिलाफ घोलवड पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

BJP के सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा संसद में प्रयोग की गई आपत्तिजनक भाषा का मामला तूल पकड़ता जा रहा

कुँवर दानिश अली
संसद सदस्य (लोकसभा)
KUNWAR DANISH ALI
Member of Parliament (Lok Sabha)

22 September 2023

To,
Shri Om Birla,
Hon'ble Speaker, Lok Sabha,
Parliament House,
New Delhi.

Respected Speaker Sir,

Subject: Notice under rule 222, 226, 227 of the rules of procedure and conduct of business in Lok Sabha and direction of Speaker against Shri Ramesh Bidhuri, MP.

I write to you with deep anguish regarding the speech given in Lok Sabha by an MP of the BJP Mr. Ramesh Bidhuri during the discussion on "Chandrayan success".

During the course of his speech he directed the most foul, abusive invectives against me which are part of the record of the Lok Sabha. Among the words he directed against me were 'Bhadwa' (pimp), 'Katwa' (circumcised one), 'Mullah ugravadi' (Muslim terrorist) 'atankvadi' (terrorist) etc.

This is most unfortunate and the fact that it has happened in a new parliament building under your leadership as Speaker is truly heartbreaking for me as a minority member of this great nation and an elected Member of Parliament as well.

I therefore intend to give this Notice under rule 222, 226, 227 of the rules of procedure and conduct of business in Lok Sabha and direction of Speaker against Shri Ramesh Bidhuri, MP.

I request you to kindly refer this matter to the committee of privileges under rule 227 of the rules of procedure and conduct of business in Lok Sabha for examination, investigation, and Report. Since this is the only way out to discipline an experienced member so that the atmosphere of our country is not vitiated any further. I request your good self to kindly order an inquiry into the matter.

With warm regards.

In anguish yours sincerely

(Kunwar Danish Ali)

भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी द्वारा संसद में प्रयोग की गई आपत्तिजनक भाषा का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. बिधूड़ी ने लोकसभा में चंद्रयान 3 की चर्चा के दौरान बसपा सांसद कुंवर दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजक शब्दों का प्रयोग किया था.

अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि दानिश अली ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर रमेश बिधूड़ी की सदस्यता रद्द करने की मांग की है. दूसरी तरफ बीजेपी ने बिधूड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है कि आखिर उनके खिलाफ पार्टी कार्यवाही क्यों नहीं करे? कांग्रेस ने मांग की है कि बिधूड़ी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए. सूत्रों के मुताबिक,रमेश बिधूड़ी से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बात की है. रमेश बिधूड़ी के मामले को बड़ी गंभीरता से लेते हुए स्पीकर ने नाराजगी जताते हुए रमेश बिधूड़ी को चेतावनी भी दी है कि भाषा की मयार्दा का ध्यान रखें. बिधूड़ी के इस बयान की तमाम विपक्षी दलों ने आलोचना की है.

डाइंग में हुई दर्दनाक हादसा,डेका मशीन की चपेट में आने से मजदूर की मौत!

पुलिस ने दर्ज किया आकस्मिक मौत का केस... कंपनी मालिक द्वारा लीपापोती का लग रहा आरोप

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी तालुका के नदी नाका इलाके में स्थित खेमीसती डाइंग में दर्दनाक हादसा हुआ है रात में काम करने के दौरान डेका मशीन की चपेट में आने से एक 24 वर्षीय मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई।तालुका पुलिस ने इस दुर्घटना को आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है।जबकि स्थानीय लोगों ने कंपनी मालिक द्वारा मामले को रफा दफा करने का आरोप लगाया है।इस घटना के बाद मजदूरों में भय व आक्रोश व्याप्त है। शेलार गांव के समाजसेवक दीपेश भोईर ने बताया कि पारोल रोड पर मीठपाड़ा इलाके में ठाणे निवासी हरिप्रसाद टिबरेवाल का खेमीसती नामक कपड़ा डाइंग करने का प्रोसेस हाउस है।उक्त डाइंग में 22 सितंबर की सुबह 2.30 बजे के आस पास कंपनी में डेका मशीन पर शेलार के विठ्ठल नगर इलाके के गंगाराम भोईर चॉल में रहने वाले अजय मिश्र(24)नामक मजदूर काम कर रहे थे।इसी दौरान अचानक वह मशीन की चपेट में आने के कारण कपड़े के साथ मशीन में चला गया और उसी में पीसने के कारण उसकी मौत हो गई।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि कंपनी मालिक द्वारा मजदूर को सही समय पर अस्पताल न पहुंचाए जाने के कारण उसकी दुर्घटना के बाद तड़प तड़प कर मौत हो गई।बावजूद भिवंडी तालुका पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर इस दुर्घटना को आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है।जो मजदूरों में आक्रोश का कारण बना हुआ है।दीपेश भोईर ने आरोप लगाते हुए बताया कि डाइंग मालिक पुलिस के कुछ दलालों व छुटभैय्या नेताओ के सहारे केस को रफा दफा करने के लिए लीपापोती करने में जुटा हुआ है।

कंपनी एक्ट से अछूता था मजदूर

उन्होंने बताया है कि डाइंग मालिक द्वारा कंपनी एक्ट को ताक पर रखकर कंपनी चलाया जा रहा है।जो बिना रजिस्टर्ड ठेकेदारों को काम देकर कम पैसे में मजदूरों से काम करवाता है।ठेकेदार अपने पास काम करने वाले मजदूरों का न तो ईएसआईसी कराते है और न ही पीएफ करवाकर कंपनी एक्ट के नियमों का पालन करते है।मृतक अजय भी उक्त कंपनी में पिछले एक दशक से काम करता था बावजूद वह अभी भी फैक्ट्री एक्ट के नियमों से अछूता था।मृतक अजय, बिहार के भवरगंज का रहने वाला था।जिसका एक डेढ़ साल का लड़का है।जबकि उसके गर्भवती पत्नी की एक दो दिन में प्रसुति था।जिसे लेकर वह काफी उत्साहित था।लेकिन बच्चे के जन्म से पहले ही कंपनी को मनमानी के भेंट चढ़ गया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com